

राज
कॉमिक्स
विशेषांक
मूल्य 15.00 संख्या 37

करोड़पति

www.akfunworld.co.nr

फाइटर टोड्स

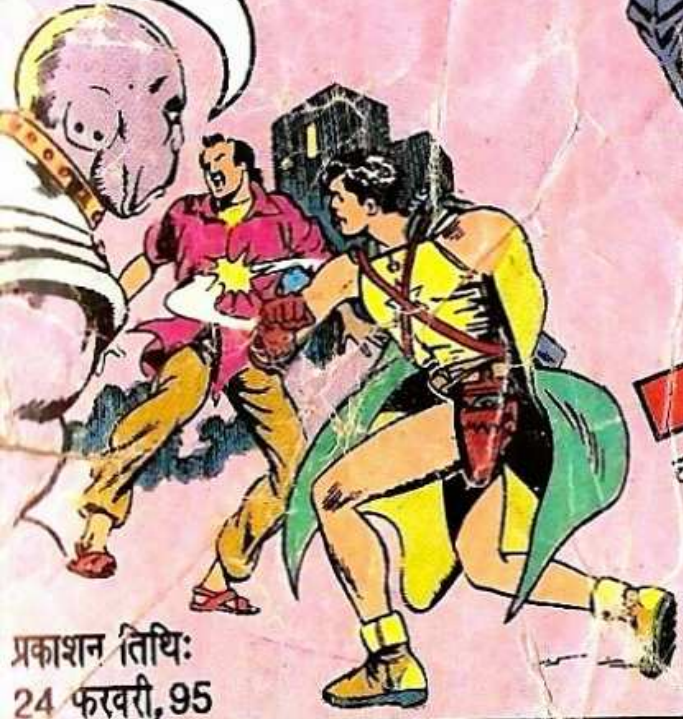


अंधेरी रातों में,
सुनसान राहों पर, जुल्म
मिटाने आ गया है अब
सुपर बॉय !

अरे बाप रे,
आई कड़छी !

उफ !
इस सुपर बॉय ने तो
मेरी नाक में दम कर
दिया है ।

हा हा हा
आ गया
सुपर बॉय ।
अब कौन
पूछेगा डोगा
को ।



प्रकाशन तिथि:
24 फरवरी, 95

सुपर बॉय

क्या सचमुच?
जानने के लिए
डोगा सीरीज
का नया
कॉमिक्स पढ़ें,

इसी सैट के कॉमिक्स

- करोड़पति (फाइटर टोड्स का विशेषांक)
- इस विशेषांक के साथ सुपर स्टीकर मुफ्त
- उड़ती मौत (सुपर कमांडो ध्रुव)
- लेजी (भेड़िया)
- डॉक्टर नो (परमाणु)
- बांकलाल और कोढ़ी राजा
- अमीबा (धिल हॉरर सस्पेंस)

आगामी सैट के कॉमिक्स

- वुल्फा (भेड़िया का विशेषांक)
- चंडकाल की वापसी (सुपर कमांडो ध्रुव)
- सुपर बॉय (डोगा)
- कलयुग (अश्वराज)
- दैक (गोजी)
- कब्जा (धिल हॉरर सस्पेंस)

करीबपति

लेखक:

अनुपम सिन्हा

सम्पादक: मनीष गुप्ता

चित्रांकन:

अनुपम सिन्हा, विनोद कुमार

इस बार तो, प्यारे पाठको फाइटर टोड्स ने एक ऐसा करोड़ों बमों का धमाका कर दिया, जो हमारे नन्हें-मुन्ने 60 पेजों में आना असंभव हो गया! धमाका जोरदार है, लेकिन कहीं यह धमाका इस कॉमिक के बाहर न निकल जाय, इसीलिए हमने इसमें थोड़ी काट-छांट कर दी! इसीलिए इसकी शुरुआत हम आपको बोलकर सुना देते हैं! तो सुनो...

सुबह-सवेरे, एक दिन कंप्यूटर की गटर की नाली में बहता अखबार का एक टुकड़ा मिला! जिसमें अप्पु घर के बारे में बहुत कुछ लिखा था। बस फिर क्या था, फाइटर टोड्स निकल पड़े अप्पु घर की रंगीनियों का मजालेने और जा टकराय एक टैक्सी ड्राइवर से—





हे भगवान ! किन पागलों से पाला पड़ गया गोली चूस के !

क्या कहा ? हम पागल हैं !

अरे, अरे, कंप्यूटर ! तू नाराज क्यों हो गया ? 'पागल' क्या गाली होती है ?

होती है ! बहुत छोटी सी गाली ! जिनके दिमाग नहीं होता उनको पागल कहते हैं !

अरे ! हमारे पास तो बहुत दिमाग है ! फिर तुले हमें पागल क्यों कहा ?

अभी देता हूँ तेरे को रस्क लाफा !

त... नहीं भाई, मेरी क्या मजाल जो आपको पागल कहूँ मैं तो... मैं तो...



जाने दे कर्टर !

अगर इसे कुछ हो गया तो हमें अप्पूघर कौन पहुंचासगा !

उधर शहर के ही रस्क भाग में खचर नामक अपराधी के अड्डे में -

अबे, तू आदमी सुबह-सुबह है या दारू की ही चालू हो भट्ठी !



ठीक है... ठीक है ! अब जरा ध्यान से सुन ! ये कार्ड लेकर शाम को कबाड़ी के अड्डे पर जाना है, वो रस्क करोड़ रुपया देगा इस कार्ड को देखकर !

तुम अच्छी तरह जानते हो खचर कि मैं रस्क डरपोक आदमी हूँ... हिचच !

परन्तु दारू अन्दर जाते ही हिचच... सारा डर बाहर निकल जाता है हिचच !



समझ गया खचर !

हिचच !

विजिटिंग कार्ड लेकर के कड़ा चल पड़ा -

और रास्ते में -

शाम होने में अभी तो बहुत समय बाकी है ! हिचच !

अप्पू



करमें जलत रस्क अप्पूघर में कुछ मौजली जाए !

कुछ देर में तो इस भी अप्पूघर पहुंच गए -



रस्के भाई... कहां चले गोली चूस के !



क्यों? ये अप्पूघर नहीं है क्या?

है तो ! लेकिन मेरा भाड़ा !

लगता है इसका नाड़ा ढीला हो गया है, और भूल से उसे भाड़ा बोल रहा है !

भाड़ा... यानी?

रु००० रु००० अन्दर कहां घुसे चले जा रहे हो?

तो फिर कहां घुसें ?



मेरा मतलब है टिकट है तुम्हारे पास ?

नहीं टिकट तो हमने कमी लिया ही नहीं !



अरे नाड़ा नहीं... भाड़ा यानी किराया... मतलब मुद्रा... मगर... ओह !

अभी हमें वापस भी तो जाना है... तुम यहीं ठहरो हम अभी आए !



लगता है आज की दिहाड़ी यहीं पूरी होगी !

साढ़े तीन सौ आने के... साढ़े तीन सौ जाने के... और तीन सौ वेटिंग-चार्ज... पूरे एक हजार, गोली चूस के !



तो फिर उधर से पहले टिकट लाओ फिर अन्दर जाना !

टिकट घर



चार टिकट देना !

दस रुपए !



रुपस... यानी मुद्रा ! अभी लो !

नहीं कंप्यूटर ! अब नोट मत बनाइयो वर्ना पिछली बार की तरह फिर किसी सुसीबत में पड़ जायेंगे ! ☆

ये कैसी दुनिया है ! यहां हर चीज के लिए मुद्रा की जरूरत पड़ती है !

हां ! परन्तु नकली मुद्रा बनाकर हम दोबारा फंसना नहीं चाहते !



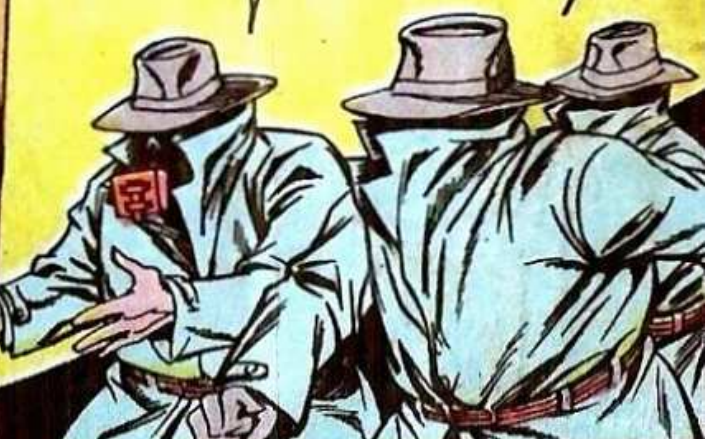
ये लो भाई !

कंप्यूटर, वो देरवो ! वो आदमी चीज के बदले उसे मुद्रा दे रहा है !



वो मूंगाफली बेच रहा है...क्यों ना हम भी मूंगाफली बेचकर मुद्रा प्राप्त करें और अप्पू घर का मजा लें !

हं...हां ये ठीक रहेगा !



एक रुपस की पचास ग्राम ! गरमागरम मूंगाफली !

इतनी कम-कम मूंगाफली, एक रुपस की बेच रहा है !

हट परे ! तुम्हे बेचना नहीं आता !

हम बेचेंगे मूंगाफली !



ऐसे तो पैसा कमाने में बहुत सॉफ्ट लेंगेगा !



अरे ! अरे !

मुंगाफली ! एक गरमागरम
रुपस किलो ! मुंगाफली !



अरे कोई रोको उसे ! वो मेरा दीवाला पीट रहा है !



श ssss ! शोर अगर उसने सुन मत कर ! उसका लिया तो दिवाला नाम शूटर है ! छोड़कर तुम्हें पीटने लगेगा !

मैं तुम्हारी रिपोर्ट पुलिस में करूंगा ! हाई कोर्ट में तुम पर दावा करूंगा... सुप्रीम कोर्ट में अपील करूंगा !



हांई ! ये तो टिकट भी मुंगाफली बेचकर खरीद रहे हैं ! मेरा किराया कहां से देगें !

एक किलो मुम्के ! अबे पीछे हट ! पहले मेरा नम्बर है !



उई ! मेरा पांव ! कुछ ही मिनटों बाद — रोता क्यों है ? देख हमने तेरी मुंगाफली मिनटों में बेच दी ! और वह भी पूरे पन्द्रह रुपस में ! हम अपनी फीस के दस रुपस रख लेते हैं ! बाकी पांच रुपस तू रख ले !



मेरी तीन सौ रुपस की मुंगाफली कुल पन्द्रह रुपस में बेच दी... बहूहूहू... !



अरे, चंडाल चौकड़ी... मेरा किराया तो देते जाओ वना मेरी बीवी मुम्के मारेगी गोली चूस के ! से... अन्दर पहले टिकट कहां जाता है ? लेकर आ !

अरे वाह मास्टर...
यहां सचमुच रौनक
है!

कंप्यूटर इंडिया
दो मिनट में

अब मैं तो यहां से
वापस जाने वाला नहीं।
यहीं कोई अच्छा सा गटर
देखकर बस जाऊंगा!

मैं तो चला
उस भूले पर
भूलने!

मगर—
क्या हुआ, कर्तूर?
थोड़े पर बारह बजाने
वापस क्यों आ गया?

यहां भी वही टिकट
का चक्कर... उसके
लिए मुद्रा चाहिए!

अरे... मुझे याद आया,
पिछली बार दादू को पकड़वाने
के लिए दस हजार का इनाम मिला
था, जिसमें से नौ हजार अभी
हमारे गटर में रखे हैं!

जो बोले सो
कूण्डा खोले
तु ही जा कंप्यूटर
और रुपय लेकर
आ!

अगर मुझे वो आदमी मिल
जाए जिसने मुद्रा का चलन शुरू
किया था तो मैं उसका मुंह काला कर
के कछुए पर बिठाकर शहर के सारे
गटरों का चक्कर लगाऊँ!

मैं नहीं जाऊंगा
ये स्वर्ग छोड़कर!

तो फिर
तू स्वर्गवासी हो
जाएगा इन्टर!

भीख! मुद्रा कमाने
का सबसे आसान
तरीका है भीख मांगना!

कंप्यूटर, कोई और
आसान-सा रास्ता बता मुद्रा इकट्ठी
करने का!

भीख

चलो चलकर भीख मांगते
भीख मांगते का तरीका
हैं! कंप्यूटर

कंप्यूटर से भीख मांगने का तरीका समझते ही टोड्स शुरू हो गए-

ए, स्त्रीजी, भीख दे दो !

लेकिन भीख भी आराम से कहां मिलती है -

कमाल है? इतना हट्टा-कट्टा होकर भी भीख मांग रहा है? शर्म नहीं आती !



हैं! सूटेड बूटेड... भीख मांग रहा है? लेकिन इसने अपना चेहरा क्यों छुपाया हुआ है?

हट्टा-कट्टा! सुनने में अजीब-सालगता है! जरूर कोई गाली होगी! इस चूजे की ये हिम्मत!

शूटर को गाली दे रहा है!



अरे! मैं भीख मांग रहा हूँ और तू मुझे गाली दे रहा है!

अरे मार डालारे! बचाओ!

रुक जा शूटर! ये तुम्हें गाली नहीं दे रहा था। हट्टा-कट्टा मतलब ताकतवाला होता है!

अरे, वाह! इसने मुझे हट्टा-कट्टा कहकर मेरी तारीफ की। हाय-हाय!

क्या हुआ शूटर?

इस चूजे ने मुझे हट्टा-कट्टा कहा! गाली दी!

अरे, भाई मेरा मतलब था कि हट्टे-कट्टे हो, कुछ काम क्यों नहीं करते!

अपने इस बेसुरे राग की तान बन्द कर। क्या सबको बताना जरूरी है कि हम टोड हैं!

कैसा काम?

ये लो... ये मेरा विजिटिंग कार्ड है! कल ऑफिस आ जाना मैं तुम्हें कोई न कोई काम दिलवा दूंगा, ताकि तुम मेहनत की कमाई रखा सको!

मगर वो कह क्या गया मेरे तो स्पिर के ऊपर से निकल गई!

अपने इस बेसुरे राग की तान बन्द कर। क्या सबको बताना जरूरी है कि हम टोड हैं!



अरे भाई साहब, हम तो जैसे भी मेहनत करके खाते हैं! क्या आप जानते हैं कि कीट-पतंगे पकड़ने में टोड ज़े कितनी मेहनत करनी पड़ती है!

जो कह गया अब चल, भीख के पैसों से तो गया! सेटिकट खरीदते हैं!

भीरव के पैसों से टिकट खरीद कर टोड्स भूले की लाइन में लग गए—

चार, इसने भूला इतनी जल्दी रोक दिया कि मजा ही नहीं आया।

चारों टोड्स लाइन से बाहर आ गए—

चार, वो कह रहे थे रुक बार में तो मजा ही नहीं आया!

SMF Fair Luvde

और दोबारा टिकट खरीदने के लिए हमारे पास और मुद्रा भी नहीं है।

तो क्या करें, मास्टर?

हां, अगर कुछ देर और चलता तभी मजा आता। चलो टिकट खरीद कर दोबारा बैठते हैं।

मेरे पास रुक तरकीब है!

हमारे भूले में बैठते ही झूठर उस भूला चलाने वाले को बेहोश कर के भूले का चालन अपने हाथ में ले लेगा और जब तक हमना कहें भूला नहीं

अरे! वाह! मैं ही क्यों...? और कोई क्यों नहीं?

ज्योंही टोड्स भूले में बैठे झूठर वहां पहुंच गया जहां से भूला कंट्रोल होता था।

क्यों भाई... ये भूला कैसे चलता, कैसे रुकता है?

रोकेगा!

सिनेमा 2000 CINEMA 2000 TICKETS

क्योंकि तु हममें सबसे तगड़ा है। उस कार्ड वाले ने तुम्हें ही हट्टा-कट्टा कहा था न?

वाऊ sss! ये तो मैंने सोचा ही नहीं था। ठीक है, तुम जाओ मैं देख लूंगा!

इसमें ये चार बटन हैं। रुक 'स्टोप' का जिसके बबाले ही भूला चल पड़ता है।

दूसरा 'मीडियम' का जो भूले की गति बढ़ाता है... और ये है तीसरा 'फुल' का जो भूले को पूरी गति से चलाता है। और ये है अंतिम बटन स्टॉप का भूला रोकने के लिए।

और वो है ००० आऊ SSS!



कर्मचारी के बेहोश होते ही—

शूटर ने दबाया 'स्लो' का बटन और भूला चालू हो गया।



पांच मिनट बाद ही—

भूला रोको!



मुझे चक्कर आ रहा है।

परन्तु टोडस—

कंप्यूटर, मास्टर... कटर... रोकूं क्या?

पब्लिक के सब का बांध भी टूट गया—

ए, तुम उस भूले को रोकते क्यों नहीं?

हमारा नंबर कब आएगा?



जब तक कटर... मास्टर... कंप्यूटर नहीं कहेंगे वो नहीं रुकेगा!

हम भी नंबर का इंतजार कर रहे हैं। हिचच!



नहीं शूटर, चलने दो!

तमी—

कौन है बे?

रिश्ते में तो हम तुम्हारे बाप लगते हैं... हिचच... और माम है ०००



...केकड़ा!

उई द हया! मार डाला जालिमने!



पलक भपकते ही शूटर अपने असली रूप में आ गया—

अबेलम्बे... जबरदस्ती रिश्ता जोड़ रिया है। केकड़ा भले ही कुछ भी हो टोड का बाप नहीं हो सकता!

केकड़े से टक्कर लेता है... हिच्च... हिच्च... केकड़ा तेरी ईट से ईट बजा देगा!



अबे, बजाना है तो कोई ढंग की चीज बजा। ईट भी कोई बजाने की चीज है... आऊ sss

उधर चक्कर खा-खाकर कंप्यूटर, कर्टर और मास्टर का भीबुरा हाल हो चुका था।

शूटर भूला रोक!

चक्करों की वजह से टोड्स को शूटर और केकड़े की लड़ाई भी नजर नहीं आ रही थी।



य... ये तो भूला रोकता ही नहीं!

अरे मैं तो पहले ही सोच रहा था शूटर जरूर कुछ गड़बड़ करेगा, डरे नीचे मत छोड़!

सोच रहा था तो बोला क्यों नहीं... तेरी जान पर मेहनदी लगी थी क्या?



और केकड़ा शूटर पर भारी पड़ रहा था।

अबे धीरे मार! लगाती है!

रेस्सी!

मार डालारे! मार डाला!

कैसी लगाती है? हिचच!

तभी शूटर के कान में टोइस की आवाज पड़ी—

शूटर! भूला रोक! वर्ना... वर्ना...

लेकिन ये केकड़ा मुझे लीवर तक पहुंचने नहीं दे रहा है! आइया!

ओह! मेरे साथी मुझे भूला रोकने के लिए कह रहे हैं!

एक रास्ता समर्थ में आता है!

शूटर के धनुष से निकला तीर सीधे अपने निशाने से जा टकराया—

यानी ब्रेक से—

लीवर दबते ही भूला तेजी से रुकता चला गया-

टि...
टि...
टि...



परंतु भूले से उतरते ही-

क... कंप्यूटर ! भूला रुकते ही... ये दुनिया क्यों घूमने लगी ?

मुझे तो लगता है... मैं अभी भी भूले पर बैठ हूँ... घूम रहा है भूला ! घूंsss



तभी-

अरे मर गया !

घूमती दुनिया अचानक रुक क्यों गई ?

शू... शू... शूटर कहाँ है ? मैं उसका टेंडुआ दबा दूंगा !



और जैसे ही उसकी नजर शूटर पर पड़ी-

शूटर ! मैं तेरी बोटी-बोटी कर डालूंगा !

तेरी हड्डियों का सुरमा बनने का टाइम आ गया है !

किसी ने पॉवर ब्रेक लगा दिया !

मैं तेरा खून पी जाऊँगा !

मेरा जो जी चाहे कर लेगा...

पहले उस जंगली बाप को तो संभालो !

वीरव पड़ा कंप्यूटर-

और शुरू हो गई जंग-



टोड्स रक्शन !



धाड.

टोडस अपने असली रूप में आ चुके थे—

अभी तो तूने सिर्फ ट्रेलर देखा था, केकड़े...

अब तू देखा पूरी फिल्म...

शुभाभा!



और ये है तेरी फिल्म का... दिग्गड!

फाइटर टोडस का असली रूप, अप्पूघर के दर्शकों को और मजा दे रहा था—

लेकिन केकड़े को मजा नहीं आ रहा था!

बेहोशी आ रही थी—

तुमने केकड़े से दुश्मनी मोल ली है!



मम्मी... मम्मी, देखो न! मेढक की ड्रेस पहनकर वो अंकल कितनी अच्छी फाइट कर रहे हैं!

हां, उनकी ड्रेस भी कितनी अच्छी लग रही है!

हां, रे! ये अप्पूघर वाले हर हफ्ते एक नया आइटम करते रहते हैं! अगले हफ्ते चूहे दिखेंगे!

तुम्हें इसकी कीमत... आऽऽह!

हमारे पास टिकट मोल लेने के लिए तो मुद्रा है ही नहीं... भला दुश्मनी क्यों मोल लेने लगे?



अरे! इस मारा-मारी में वो कार्ड ना जाने कहां गिर गया?

अच्छा हुआ! उसका करना भी क्या था?



अरे वाह! उसने हट्टा-कट्टा कहकर मेरी तारीफ की थी। मैं तो उससे जरूर मिलुंगा!



ड्रॉटर की मेहनत कामयाब हुई—

मिल गया!
मिल गया!!

हे भगवान ! इसे हट्टे-कट्टे का अर्थ बताकर मैंने जीवन की सबसे बड़ी भूल की थी।



तमी—

रु भाई ००० क्या तुमने यहाँ कोई चार ओवर—कीट धारी देरवे हैं?

मुझे उनसे टैक्सी का भाड़ा वसूल करना है गोली चूस के।



उन चारों में से एक मैं हूँ।

हैं ssssss

बचाओ
भू sst!

अब रुक जा
दूर पीक, अपना भाड़ा तोलता जा।

हे भगवान ००० मुझे तो हनुमान चालीसा भी याद नहीं जो पढ़ कर इन्हें भगा दूँ... बहूहूहू... ई sss



-और जब होश आया—

क्यों पुत्र, अब तबीयत कैसी है?

ओह ! ये तो अभी भी मेरे पीछे लगे हैं।



देखिए भूतजी, मैं नया-नया इस शहर में आया हूँ। अगर मुझसे कोई गलती हो गई हो तो मुझे माफ करके जाने दीजिए ००० मेरे दर्जन भर बच्चे आपको दुआएँ देंगे गोली चूस के !

थर- थर कांपता टैक्सीवाला डर के मारे बेहोश हो गया।

बारह बच्चे ! अबे, तू आदमी है या टोड़... इतनी बड़ी गलती !

मैं अपनी गलती सुधार लूंगा !

बच्चों को तलाक देकर
गायके भेज दूंगा। बीबी को
नानाथ आश्रम में भर्ती करवा
दूंगा...

मैं टैक्सिया चलाता छोड़कर
गुरुद्वारे में रोटी खा लिया करूंगा...
आप कहोगे तो आपके लिए भी
ला दिया करूंगा, मगर भगवान
के लिए मुझे जाने दो गोली
चूस के !

कितना नाड़ा
हुआ तुम्हारा ?

नाड़ा ?

चीईईईईई



मेरा मतलब
है भाड़ा !

कुल मिलाकर
सक हजार ! मगर आप
नहीं भी देंगे तो चलेगा !

इस अंधे कुएं में उतर-
कर गायब हो गए।
अम्माने ठीक ही कहा था,
भूत-प्रेत सारे कुएं में
ही रहते हैं।

भाग बेटा रसीले, वर्ना
आज ये तुम्हें पकाकर
डिब्बर में खा जाएंगे
गोली चूस के !

अबे देंगे क्यों नहीं !
म आदमियों की तरह
ईमान नहीं हैं... तू
यहीं ठहर मैं अभी
आया !

आदमियों की तरह
नहीं ? याली सचमुच
ये आदमी नहीं है।



ड्रूटर... कंप्यूटर... अरे कोई तो बचाओ
मास्टर... मुझे इस भूत से !

और कटर, रुपर
निकर बाहर निकला-

अरे, वो भाग गया... डुर
पोक कहीं का... ना जाने ये
आदमजात भूत से इतना क्यों
डरती है।

आंय !



इतनी रात गरु इस
ये म... मेरा कोट अंगल में मेरा कोट कौन पकड़
केसने पकड़ लिया? सकता है ? कहीं भूत... ?





कहाँ हैं भूत ?
व... वहाँ... पीछे...
बहू-हू हू हू... मुझे
जल्दी छुड़ाओ !

तेरा कोट
सत्यानाश ! भाड़ी में फंसा
हुआ है मूर्ख !

उधर बेहोशा पड़े केकड़े
की कुछ लोगों ने अस्प-
ताल पहुंचा दिया था-

मगर रक्त्तर को
इस बात का पता
नहीं था !

नहीं, रक्त्तर !
तुम्हारा कोई
आदमी नहीं
आया !



ओह... वो सुबह
से ही दारु पी रहा
था ।

मैंने उसे कार्ड
देकर ही गलती
की !

रवैर मैं रात को अपने आदमियों
से उसे ढंढवाता हूँ, और कल
सुबह मेरे आदमी कार्ड लेकर
तुम्हारे पास पहुंच जायेंगे !

अगले दिन
सुबह-

मेरी तो समझ में
नहीं आता शूटर कि तू
इस कार्ड वाले पर इस कदर
क्यों फिदा हो गया ?

अब सीधी तरह बताओ
तुम लोग मेरी तारीफ
सुनने मेरे साथ चलोगे
या नहीं ?



'राइट' मेरा मतलब
ठीक है । अपने आदमी
'क्विकली' भेजना, मुझे
माल जल्दी चाहिए !



अरे, उसने हट्टा-कट्टा
कह कर मेरी तारीफ दो बार की।
मेरा दिल तो करता है कि मैं हमेशा
उसके सामने बैठा रहूँ और वो मुझे
हट्टा-कट्टा... हट्टा-कट्टा कहता
रहे !

चलना ही पड़ेगा । मगर
रक्त बात ध्यान रखियो...
जब टोड की मौत आती है तो वो
कार्ड वाले की तरफ भागता है

उसने तो शूटर का दिमाग
ही खराब कर दिया है । अगर
आज के बाद फिर कभी इसने तारीफ
सुनने की बात की तो कसम मेंढकी
की इसका टेंदुआ ही दबा दूंगा !

अरे बापरे... ये चारों तो वही कल वाले हैं...
हे भगवान, मेरी किस्मत लिरवते-लिरवते
तुम्हें नींद आ गई थी या तेरे पेन में स्याह
स्वप्न हो गई थी जो मुझे दोबारा इन भूत
के दर्शन करवा दिस गोली चूस के !



रू... रोकना
जरा !



टैक्सी रोकने के अलावा
और कोई चारा नहीं था—



चाण्डाल चौकड़ी
के चरणों में रसीले
का साष्टांग प्रणाम
गोली चूस के !

भूम उठा
शूटर—

वाह... उसने मुझे
हट्टा-कट्टा कहकर
तारीफ की थी, इसने
चोट्टा कहकर तारीफ
की है !

तू तो निरा
बेवकूफ है शूटर...
चोट्टे का अर्थ होता
है चोर उचक्का !

अरे ये तो वही नाड़े...
मेरा मतलब है... भाड़े
वाला है ! आज हमें तुम
फिर मिल गए !

और अगर इसी तरह
कुछ दिन तुम्हें मिलता
रहा तो फिर किसी और को
नहीं मिलूंगा गोली चूसके



क्यों ?

क्योंकि रोज अगर
ऐसे ही चोट्टे पैसेजर
मिलते रहे तो भूखा नहीं
मर जाऊंगा गोली चूस
के !

हे भगवान
ये मेरे मुंह से
क्या निकल
गया गोली
चूस के !

अरे ! तुम्हें
क्या हुआ ?

मैं मर गया
हूँ !



ओऽऽऽ ह !

ये तो मर गया ! अब
हमें कार्ड वाले कारास्ता
कौन दिरवाएगा ?

अगर चोट्टा कहने के
लिए तुम मुझे माफ कर
दो तो मैं अभी भी जिन्दा
हो सकता हूँ गोली चूसके !



तो फिर तेरी
आवाज कहां से
आ रही है ?

स्वर्ग से !

ओह ! तो ये पिटाई के
डर से जानबूझ कर मरा
था !

उठ जा रे ! तुम्हें
माफ किया ! अब
चल !



कुछ ही देर में -

कंबाड़ी राक्सपोर्ट प्रा.लि.

श्री. ई. ई. ई. ई.

लीजिए! आपकी मंजिल आ गई, गोली चूस के!

रु००० रु००० कहां घुसे चले जा रहे हो०००

हायsss!

अबे हट पीछे! मेरे कान कब से अपनी तारीफ सुनने के लिए तरस रहे हैं!

रु००० ये क्या बदतमीजी है? तुम लोग अन्वर कैसे आए?

और हम रुक बार में रुक उम्मीदवार का ही इन्टरव्यू लेते हैं!

कंप्यूटर, इनमें वो आदमी तो है ही नहीं जो हमें अप्पुघर में मिला था!

हां, लगता है हम गलत जगह आ गए हैं। इसे कार्ड दिखाकर ही सही आदमी का पता पूछता हूं।

सुनिए, स्त्रीजी! हमें यहां के सबसे बड़े आदमी से मिलना है!

वो इन्टरव्यू ले रहे हैं इस समय किसी से नहीं मिलेंगे!

अरे वाह! मिलेंगे क्यों नहीं, उन्होंने हमें रवास तौर पर बुलाया है!

लगता है नौकरी के लिए आए हो। वहां जाकर बैठो और नम्बर का इन्तजार करो।

बाप रे! इसका हाथ था या हथौड़ा!

वत्तीस के वत्तीस हिला दिए जालिम ने!

देखिए, हमें इस आदमी से मिलना है!



अंय! कार्ड तो ये मेरा ही है। पर मैंने तो तुम्हें पहले कभी 'सिया' मतलब देखा ही नहीं!

देखा तो हमने भी तुम्हें पहली बार ही है।



परन्तु ज्योंही उसने कार्ड के पीछे देखा चौंक पड़ा बुरी तरह—

अरे, ये तो 'रखचर' के आदमी हैं, और दिल्लीवरी का सडवांस एक करोड़ रुपया लेने आए हैं।



परन्तु आप तो कह रहे थे कि रखचर सिर्फ एक आदमी भेजेगा।

रकम 'कैटी' मेरा मतलब है मोटी है ००० इसीलिए डायद ज्यादा भेजे हैं। रबर जाने दो हमें अपने माल से 'मीनिंग' है।



अरे भाई 'फारगिव' करना। हमने तुम्हें पहचाना नहीं था। और इस बारे में रखचर को भी मत बताना वना वो तुलतिया मार-मार कर हमारी हवा टाइट कर देगा।

हंsss! अब तो पहचान लिया न ?

हां... हां। 'व्हाई नोट'।

तो फिर बोल मुझे हट्टा-कट्टा!



डायद ये भी 'रखचर' का कोई 'कोड वर्ड' है। रबर, बोलने में क्या 'गोता' मतलब जाता है! हट्टा-कट्टा!

फिर से बोल, बोल न!

ये ली दहेज का ००० मेरा मतलब है सडवान्स एक करोड़ और रखचर को 'टैल' देना कि माल कल तक जरूर पहुंच जाना चाहिए।

हट्टा-कट्टा! हट्टा-कट्टा। हट्टा-कट्टा। हट्टा-कट्टा।

आहा! क्या ठंडक पड़ी है दिल की! वाह...वाह!

सडवान्स ? माल ००० ? रखचर ?

कंप्यूटर... इसे तो तू ही समझा... ना जाने क्या बोले जा रहा है।

अरे, तूने अपनी तारीफ सुन ली ना। अब चलो यहां से इसके बारे में बाद में सोचेंगे।

अच्छा, जी! हम चलते हैं। आपने जो बोला है हम बोल देंगे।

स्पडवांस... माल... रवचर!

स्पडवांस... माल... रवचर!



तू बस इतना याद रख, इसने बोला क्या है?



अरे! ये लोग तो खाली हाथ गए थे, फिर ये सूटकेस कहां से आए? कहीं ये स्मगलर तो नहीं हैं, गोली चूसके।

ओह! मैं भी किन चक्करों में पड़ गया... कभी भूत कभी स्मगलर और आगे ना जाने इनका कौन सा रूप मिले देखने को गोली चूसके।

यार... एक बात मेरी समझ में नहीं आई। हम यहां आए किसलिए थे?

ड्रॉटर की तारीफ सुनने के लिए।



तो फिर ये सूटकेस?

उसने दिए हमने ले लिए।

उसने दिए हमने ले लिए? यामी ना तुम उसे जानते ना तुमने सूटकेस खोलकर देखे... गोली चूसके।

हां! अरे, इसमें देखने की क्या बात है... उसने हमें कुछ दिया ही है ना। लिया तो कुछ नहीं।

अरे जान बचानी है तो भागो। आजकल लोग इसी तरह तो हफे में बम दे देते हैं, गोली चूसके।

क्या कहा? बम क्या होता है?



कंप्यूटर! अपने कंप्यूटर में देख तो जरा!

बम ! मर गयारे ! बम एक ऐसी चीज होती है, जो धमाके के साथ फटती है !

भागो !

फूट लो !

और उस धमाके से आदमियों के चेहरे बिगड़ जाते हैं ।
अरे, टोडदेव ! कहीं हमारे चेहरे बिगड़ कर आदमियों की तरह न हो जाएं ।

वर्ना आदमियों जैसी सूरत ही जासगी !

शूटर, इतनी देर ही गई, बम तो फटा ही नहीं ।

मैं तो यहां बैठा-बैठा बोर हो गया हूं । अगर तुम कहो तो मैं उस कबाड़ी के मुंह से अपनी तारीफ सुन आऊं ।

अरे, ये लावारिस टैक्सी किसकी है ?

मेरी है हुजूर !

दोबारा डंडा मत मारना गोल चूस के !

तेरी है तो इस तरह क्यों खड़ी है । और ये सूटकेस... ये किसके हैं ?

मालूम नहीं... परन्तु ये दो खरों...
क्या कहा ? तू भी बम की वजह से छिपा बैठा था ?

अबे, अरन्तु-परन्तु, क्या लगा ररपी है... तुम्हे पता नहीं इस तरह लावारिस चीजों में बम भी हो सकता है ।
मालूम है सरकार ! इसी लिए तो छिपकर वहां बैठा था !

मालूम है सरकार ! इसी लिए तो छिपकर वहां बैठा था !



जल्दी से जाकर पास के पुलिस स्टेशन में खबर कर दे। मेरा ड्यूटी का समय खत्म हो चुका है।

अरे भाई, भागते कहाँ हो? मेरा भी इस चाण्डाल चौकड़ी से पीछा छुड़वा दो गोली चूस के!



और फिर-जब उन्होंने एक सूट केस खोला-

मास्टर! इसमें तो मुद्राएं भरी हैं!

ओ SS ह

अरे... इसे क्या हुआ?



शूटर, तुम्हें याद है वो कबाड़ी क्या बोल रहा था?

हां, हां! वही तो रट रहा हूँ इतनी देर से। वो कह रहा था... सड़वांस... माल... खचर!

मैं कहाँ हूँ?



कंप्यूटर ने अपने कंप्यूटर से तीनों शब्दों को मिलाकर अर्थ पूछा, परन्तु-

मास्टर, आज तो मेरा कंप्यूटर भी कुछ भी बताने से झुंकार कर रहा है।

पिप! पिप!! पीSS!

आप लोग कौन हैं? साफ-साफ क्यों नहीं बताते?



बताएंगे! मगर एक शर्त पर। तुम हमें 'सड़वांस' 'माल' 'खचर' शब्दों को जोड़कर कोई अर्थ बता दो।

बहुत आसान है इसका अर्थ है... सड़वांस के बदले खचर पर लदा माल!



जियो मेरे रसीले! तुमने तो कमाल कर दिया। अब हम कबाड़ी का पूरा काम करेंगे!

हां! हम बेईमान नहीं हैं... उसे एक नहीं दो-दो खचर लादकर माल देंगे।

परन्तु क्या इतना माल इस मुद्रा में आ जाएगा?

दो रक्चर माल ? इतने पैसों से तो रक्चरों की पूरी फौज खरीदी जा सकती है, गोली चूस के !



और फिर-

₹००० ये सारा माल कितने का है रक्चर समेत ?



क्यों भाई... टैक्स ही छोड़कर मटके, सुराही बेचने का काम शुरू करेगा क्या ?

अरे ! मोल्मभाव करने का समय नहीं है... ये पकड़ मुद्रा और रक्चर हमारा हुआ !

₹००० ₹००० दस हजार !



ओह... लगता है कम है !

ये ले ! और ले !

अब भी कम है तो बता दे !



अरी कल्लो की अम्मा... कहां सरगाई... मैं ये सपना और बरदाश्त नहीं कर सकता... मुझे जल्दी जगा दे !

रबाबू ! कल से भुरखा हूँ... कुछ दे दे !

अरे भाई कीट-पंतगे यहां कहां मिलेंगे। गटर में आना वहीं दे दूंगा !

तब तक तो रसीला भीरंग में आ चुका था-

ये ले... तू भी क्या चाद करेगा किसी रईस से पाला पड़ा था गोली चूस के !



अबे, ये चूरन के नोटों की गड़ड़ो तां नहीं है ?

हैं हैं हैं ! मैंने कुछ गलत तो नहीं किया उसे गड़ड़ी देकर ?

नहीं ! अब चलो ।

वाह ! बहुत दिलवाले लगते हैं ये तो । मैं अपने किराए के लिए फिजूल चिन्तित था !

टैक्सी स्टार्ट हुई ही थी कि—

अरे, कंप्यूटर ! ये सब क्या है ?

मैं क्या जानूँ ?

मगर मैं जानता हूँ गोली चूस के । ये सब तुम्हारे चालीस हजार का कमाल है ।

अब भुगतो इनकी ।

सेठ जी ! मेरा भी रवचर खरीद लीजिए ।

हां, हां, क्यों नहीं ! कंप्यूटर, दे दे इसे भी दो-चार गड़डियां ।

ले लो भी ! हमने तेरा सारा माल रवचर समेत खरीद लिया ।

बांध दे इसे अगले वाले रवचर के पीछे ।

उसके बाद नंबर आया बिरवारियों का—

रक-रक करके लाइन से आओ ।

हे भगवान ! ये लोग कहीं पागल तो नहीं ही जायें !

अरे भाई ... इन सूटकेसों को खाली करने से पहले कम से कम मेरा किराया तो दे देते । बहू हूहू !

अब चलकर कबाड़ी को माल और दे आएं !

हे भगवान ! जब गधे ही हांकने थे तो अपना गांव क्या बुरा था ।

धीरे-धीरे चला, कंप्यूटर! खच्चरों के साथ-साथ चलना है।

कबाड़ी एक्सपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड-

रु कहां घुसता चला आ रहा है?



अबे दरिबता नहीं । हम कबाड़ी को माल देने आरु हैं । जाकर बोल हट्टा-कट्टा आया है ।

दूटे-कट्टे का नाम सुनकर मेरे के बल दौड़ा आया कबाड़ी-

अरे ! आप बाहर क्यों खड़े हैं हट्टे-कट्टे साहब... अंदर आइए ना ।

वाह... 'खच्चर' का भी जवाब नहीं । दुस की डिलीवरी का क्या नायाब तरीका निकाला है । पुलिस तो शक कर ही नहीं सकती ।

अब बस हमें जाने दो !



अंदर आने का टाइम नहीं है । अपना माल ले और हमें जाने दो ।



एक मिनट रुको । मैं अभी आया !

अरे, जाले-जाले रुक बार और मेरी तारीफ करता जा !



ये लो... मालकी बाकी कीमत दो करोड़ रुपए ।

और 'खच्चर' को मेरी तरफ से सलाम बोलना !

अंच ? और मुद्रा !



सारे सूटकेस, टैक्सी में
रख दिए गए—

अरे, ड्रूटर् ! अब
कहाँ चला ?

यार कबाड़ी ! एक बार
हट्टा-कट्टा और
बोल दे ।

हट्टा-कट्टा !

एक बार
और !

हट्टा-कट्टा

बस एक
बार और !

हट्टा-कट्टा

भगवान तेरी आत्मा
को शान्ति दे ।

एक मुझे एक जरूरी
मिनट ! काम खाद आ गया !

टैक्सी फिर
उड़ चली—

अब तो मुझे पूरा विश्वास
हो गया है कि तुम कोई भूल-कूल
नहीं, बल्कि किसी स्मगलर गैंग के
आदमी हो गोली चूस के ।

स्मगलर ! यानी
तस्ककर यानी
अपराधी !

क्या कहा हम अपराधी
हैं । मैं तेरी गर्दन तोड़कर
उस पर कुत्ते का सिर लगा दूँगा

ये 'स्मगलर' क्या
होता है कंप्यूटर ?

अर्रर्र ! मेरी गर्दन
छोड़ो, वरना एक हीट हो
जासगा गोली चूस के ।

तो फिर अपने शब्द
वापस ले और बोल हम
स्मगलर नहीं हैं ।

और अगर पुलिसने !
पकड़ लिया तो
जमानत भी नहीं होगी ।

ये जमानत
क्या होती है
कंप्यूटर ?

अगर तुम स्मगलर नहीं हो तो
इतना रुपया तुम्हें वो क्यों देने
लगा भला !

ANIL KOSKANS

टोइसके ही-

हैलो! कबाड़ी हियर!

तुमने तो 'अंडर' कर दिया खचर। सड़वांस देने के दो घण्टे के अन्दर दुगस की डिलीवरी भी भेज दी!

क्या बकते हो? ना तो मुझे सड़वांस मिला है, ना ही मैंने कोई माल भेजा है।

कबाड़ी! मैं खचर बोल रहा हूँ!

मेरा वो आदमी केकड़ा तो हस्पताल में पड़ा है। कल दारू पीकर अप्पु घर में किसी से भिड़ गया था। वहीं उससे कार्ड भी खो गया।

अगर माल मिल गया तो ठीक वर्ना समझो तुम तीन करोड़ से हाथ धो बैठे हो!

बॉस... इन गधों पर तो सिर्फ मिट्टी के बर्तन लदे हैं... माल कहीं नहीं है!

क्या हुआ कबाड़ी?

वो चारों कौन... जो माल भी दे गए... बकाया दो करोड़... भि गए!



अरे तीन करोड़ से हाथ धो बैठूंगा... जहां बैठा हूँ।

मेरे तीन करोड़। बहूहूहू!

मेरे तो लुट गया... बरबाद हो गया... मेरे बच्चे विधवा हो गए... मेरी बीवी यतीम हो गई... अरे, कोई चार करोड़ की बुलवाओ... मेरा जनाजा निकलवाओ हायsss!

बड़ी मुश्किल से चुप करवाया गया कबाड़ी को-

तुम चिंता मत करो कबाड़ी! हम तीन करोड़ का ये घाटा बैंक डकैती से पूरा करेंगे!



और वो भी उन चारों का भेष बनाकर नाकि पुलिस वाले उनके पीछे लगें।

अरे, वाह! तेरे भेजे का तो जवाब नहीं!

मेरी मानो तो इन सूटकेसों में से मेरा भाड़ा निकालकर इन्हें फेंक दो वरना हम सब फंस जायेंगे गोली चूस के !

किन्तु टोड्स नहीं जानते थे कि एक पुलिस जीप उनके पीछे आ रही थी-

ये गया पहला !

शायद रसीला ठीक कह रहा है... इस शूटर की तारीफ के चक्कर में सब फंस गए हैं !

और फिर-

ए गाड़ी रोको !

अरे... ये सूटकेस उस चलती टैक्सी से गिरा है !

चलो चलकर लौटारं उन्हें और अपनी ईमानदारी का सबूत पेश करें !

रसीले, हमारे पीछे कानून लगा गया है ! और तेज भगा !

गर्द में स पानी में !

ए... इतनी तेज टैक्सी क्यों भगाए जा रहे हो ?

अरे यार, इनके पास तो तीन सूटकेस और हैं !

लगाता है फॉरन क... जा रहे हैं और इनके प... का समय हो गया है !



वो तो ठीक है... मगर यदि इसी लापरवाही से भागोगे तो रुक-रुक कर के तुम्हारे ये चारों सूटकेस रास्ते में ही गिर जाएंगे।

वही तो हम चाहते हैं। ही-ही ही !

क्या मतलब ?

ओह ! इनका मतलब है कि आप जैसे ईमानदार पुलिस ऑफिसर के होते भला हम और क्या चाह सकते हैं !

और आपकी इसी इमानदारी को देखते हुए ये आपका इनाम... खुदा ?

रबु... रबु... खुदा... बहुत खुदा !

ड्राटर, जल्दी कर वरना प्लेन छूट जाएगा !

अभी एक मिनट तो ठहर चार !

ये ड्राटर जरूर हमें मरवा कर छोड़ेगा !

मुझे एक बार... सिर्फ एक बार हट्टा-कट्टा कह कर पुकारो... अरे...

अबे ड्राटर... पहले ही तेरे हट्टे-कट्टे होने पर क्या कम मुसीबत हुई है जो अब एक नई मुसीबत खड़ी कर रहा है ?

चार, अगर तुम खुदा हो गए हो तो मुझे भी खुदा कर दो !

हं हां। बोलिए हम आपकी क्या सेवा कर सकते हैं ?

AN ROSEAN

टोडूस एक पर एक तरकीब सोचे जा रहे थे।

रसीले ! टैक्सी रोक !

देखो, हम चारों एक-एक सूटकेस लेकर लाइन में खड़े होते हैं। बस के आते ही हम सूटकेस वहीं छोड़कर बस में चढ़ जायेंगे। और अगले स्टॉप पर उतर जायेंगे।

रसीला टैक्सी लेकर हमारे पीछे रहेगा ताकि भागने में आसानी हो।

क्या हुआ, कंप्यूटर कोई रिश्तेदार नजर आ गया क्या ?

उन्होंने वैसा ही किया परन्तु-

ए बाबू... तुमने अपना सामान तो वहीं छोड़ दिया कहीं उसमें बम तो नहीं।

अरे, हम चढ़ कहां रहे हैं ? हम तो पूछना चाहते हैं कि ये बस लन्दन जायगी क्या ?

लौट के बुद्धू घर को आर !

कंप्यूटर... तुम्हारी ये तरकीब तो शहद चाटने मधु-मक्खी के छत्ते में गई, और कोई तरकीब सोचो।

हंहां... यहां से हम सीधे एयरपोर्ट जायेंगे... वहां से पंख लगाकर ये बस लन्दन के लिए उड़ान भरेगी।

अगर आप लोग चाहें तो मैं अपनी एक राय दूं !

तुम भी बको-वर्ना तुम्हारे पेट में हो जायगा !

हम लोग किसी फाइव-स्टार होटल में ठहरते हैं। मौका पाते ही ये सूटकेस कमरे में धोड़कर फूटलेंगे।

फिर- होटल भुकरवड़ में-

हमें रुक कमरा चाहिए।

पांच आदमियों को सिर्फ रुक कमरा ? अरे कंगाल हो क्या ?



रवुडा कित्ता ई००० स्पीले ००० रवुडा कित्ता ई ।

ये 'कंगाल' क्या होता है कंप्यूटर ?

'कंगाल' जिसके पास यानी गरीब... बिल्कुल मुद्रा न हो।

आपनी औकात में रह, फटे बांस ! हमें कंगाल गोलता है ? अगर ये सूटकेस खोल दिया तो बेहोश हो जाएगा !

ठीक है००० हमें पांच कमरे ही दे दो ।

ये हुई अब अपना ना बात ! पता बोलिए।



उफ़ ! किन बेवकूफों से पाला पड़ गया००० रवुद ही कहते हैं आ बैल मुके मार००० ले मार ले००० मार ले००० आ जा ।

दो दिशा में सूखे कुरं लाल घर जहां से गुजरते बाहर के सारे गटर !

अंच००० ये तुम्हारा पता है याम्युनिसिपैलिटी के दफ्तर का पता ।

हमारे महल क. गाम तमीज से ले पप्पू००० वर्ना इतना मारूंगा कि सूजकर हो जाएगा अप्पू ।

अरे चार, तुम बात- बात पर धमकी क्यों देते हो ?



और जब बैरा उन्हें छोड़ने कमरे में पहुंचा -

सलाम!

सलाम!

अब मैं भी तो कर रहा हूँ, सलाम!

सलाम, साब!

सलाम, साब!

मैंने कहा सलाम साब!

सलाम का मतलब है टिप। ये टिप मांग रहा है।

कंप्यूटर... ये टिप क्या होता है:

टिप... यानी इनाम!

अब, तुने कौन सी कुइती जीती है जो इनाम मांग रहा है?

जाने दे कंप्यूटर! अब ये मांग ही रहा है तो बाजार से गोल्ड मेडल खरीद कर इसे इनाम में दे देंगे।

कैश... यानी मुद्रा? तो फिर ऐसा बोल ना। उसकी हमारे पास कोई कमी नहीं है। ये सूटकेस ही ले... अप्प...

ये ले... अब जा यहां से!

साब, मुझे कैश दे दीजिए, गोल्ड मेडल मैं खुद खरीद लूंगा।

द... दस हजार!

कुध ही देर में -

साहब, पानी!

साहब, जूस!

साहब, कोल्ड ड्रिंक!

रसीले, इन सबको भी टिप दे दे।



मैं जाऊंगा!

नहीं... मैं जाऊंगा!



रु... क्या बात है? तुम आपस में लड़ क्यों रहे हो?

देखिए ना मैनेजर साब... कमरा नम्बर चार सौ बीस के मेहमानों ने खाना मुझसे मांगा है, और ये कहता है मैं लेकर जाऊंगा।

लेकिन चार सौ बीस नम्बर का चार्ज मुझे मिला है। तू साफ-साफ क्यों नहीं कहता कि तुझे टिप के दस हजार चाहिए।

टिप के दस हजार!



हां, मैनेजर साब! कमरा नम्बर चार सौ बीस के मेहमानों को कुछ भी सर्व करो वो टिप में दस हजार रुपए देते हैं। ये इसीलिए जिद कर रहा है।

शट अप!



तुम दोनों नीचे जाओ। खाना लेकर मैं जाऊंगा!

उपफ... ये तो हमने बैठे-बिठाए मुसीबत मोल ले ली। इतने बेरे हर समय हमारे पीछे लगे रहते हैं। हम भागेंगे कैसे?

कोई मुश्किल काम नहीं है। उन्हें क्या पता कि हम रुक-ठार बाहर जाकर वापस नहीं आएंगे!



AN RKO SCAN

और फिर वो पांचों ज्योंही होटल के गेट पर पहुंचे—

लीजिस साब! वही गाड़ी है ना आप लोगों की। हम ये नंबर कभी भूल नहीं सकते।

मैं अब यहां से नहीं भागूंगा और तुम्हें भी नहीं भागने दूंगा गोली चूस के।

मतलब?



मतलब ये कि उन सबकी मेरी टैक्सी का नंबर पता है। अगर कुछ गड़बड़ हुई तो पकड़ा मैं जाऊंगा ना गोली चूस के।

तो ठीक है... तुम रुको हम चले!

मुझे मुसीबत में डालकर तुम नहीं बचोगे गोली चूस के!

अबे तुने हमारा साथ दिया है, इसीलिए हम तुम्हें अपना दोस्त समझने लगे हैं, वरना धमकी देने वाले को हम मार-मार कर भूत बना देते हैं।

चाहे तुम मुझे भूत बनाओ या पिशाच... मैं यहां से भागने वाला नहीं गोली चूस के।



मजबूरी थी-सबको वापस लौटना पड़ा—

एक तरकीब और है। क्यों ना हम ये पैसा जुए में हार जाएं!

अभी सिर्फ इतना समझ लो कि ताड़ा के तीन-तीन पत्ते बंटते हैं। जिसके पास बड़े पत्ते होते हैं, वही जीतता है गोली चूस के!

और बाकी मैं तुमको हिटेल में समझा देता हूँ।



जुए में! मगर वो क्या होता है?

अगर ये बात है तो चलो, मुझे गृह मन्त्री है हम सारे पैसे यहीं ठिकाने लगा देंगे!

जाने में जाने से पहले मास्टर ताशा
न पत्ते अपनी जेब के हवाले कर
था—

अरे, मोटा जुआ
खेलना है तो हमसे
खेलो!

और कुछ ही क्षणों में पत्ते खान और मास्टर
आमने-सामने थे—

ये मेरी चाल
रुक् लारव की!

खान... वो देख
आसामी है। आज दिखाने
हाथ की सफाई... और साबित
मेरा नाम पत्ते खान यूँ ही नहीं है!

चिन्ता मत करो रक्छर!
इन्हें कंगाल करके ही
भेजूंगा!

मुझे कितने
की चाल चलनी
है फट्टे खान?

खान नहीं
खान!

हां चार, वही सही।
अब जल्दी बता कितना
चलूं?

अयं... ये-ये
रुक् लारव की
चाल थी?

क्यों? कम थे
क्या? और ले?

लारव।

हूं... ये
लो!

माई गॉड! ये तो कोई
पागल लगता है... वनी रुक्
लारव के बदले चार लारव न
डालता।

खान रुक् बार और
क मुद्रा कम है, ताकि मैं
डिंडियां और डाल सकूं।

पत्ते खान... लगता है
उसके पास तुमसे ज्यादा
अच्छे पत्ते हैं।

जब पत्ते खान पत्ते बांटता है तो
वो अपनी मर्जी के पत्ते लेता है।
तुम घबराओ मत रक्छर मेरे
पास तीन डक्के हैं।

मास्टर भी बड़ी सफाई से अपने पत्ते बदल चुका
था जेब में पहले से रखे सबसे छोटे पत्तों से—

उधर झूठे, कटरे और कंप्यूटर इधर-उधर घूमते हुए मौज कर रहे थे-

कंप्यूटर का तो बुरा हाल था-

और उधर पत्तों का जो होते ही हंगामा खड़ा हो गया-

ऐसा कैसे हो स...
तीन इक्के तो मे...
हैं फिर तेरे पास...
इक्के कहां से उ...

उफ्फ! ये कैसी गंध है जो दिमाग में चढ़ती जा रही है?

चढ़ गई, चढ़ गई, चढ़ गई हिच्च अंगूर की बेटी चढ़ गई हिच्च!



ये मेरा दिमाग क्यों चकरा रहा है?

कंप्यूटर को तो सूंघ-सूंघ कर ही नशा चढ़ गया था-

ओह! इसके पत्तों पर भी सिर्फ रक-रक ही निशान हैं। यानी इसके पत्ते भी सबसे छोटे हैं। लगता है ये भी हमारी तरह मुद्रा से भरे सूटकेसों से धुटकारा पाना चाहता है०००

देख बे टूटेरवां००० ये तीन अक्के मेरे हैं... तेरे भूठे हैं... तू बेईमानी कर ००० आह!

अबे, तेरे पत्ते दूसरी गड़डी के हैं! इस पर दूसरा डिजाइन बना है। बेईमान तो तू है!



मास्टर पर हाथ उठाता है! अब मैं देख तेरी क्या गत बनाता हूं?

ये तूने क्या किर... हारने के लिए जि... सबसे छोटे पत्ते सम... वो फ्लैश के सबर... पत्ते होते हैं



देखो पत्ते खान... गालती हमारी ही थी। तुम बाजी जीत गए। अब सारा पैसा तुम्हारा है।



अच्छा हुआ ये पैसे छोड़... तुमने अपनी जान बचाली वना... कीये फौज तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े

क कटर और शूटर भी मस्ती
र, जुआखाने में आ पहुंचे थे-

क्या हो
गया, मास्टर?

शि...शिष...
मास्टर क्या बोल
गया, शूटर?

रहने दे ! क्यों दिमाग लगाता है ?
कंप्यूटर के साथ चिपक-चिपक-
कर दो चार शब्द सीख गया होगा !



तो दो
और लेकर
है !

अब पीटने
में मजा
आएगा !

कुछ नहीं ! जरा
इनकी शिष्टाचार का
पाठ पढ़ाने जा रहा था !



हां, तो पत्ते खान, मुद्रा तो
हम जैसे भी देने आए थे। मगर
उसके बदले हमें कुछ चाहिए नहीं
था...



लिस घुंसा वापस
रहा हूं।

आई !

सने गत्ते खान... अर्रर...
वाप पर हाथ उठाया...
की टांग तोड़ दो... नहीं-
, हाथ तोड़ दो !

गुंडे टोड की तरफ लपके-

और टोप हवा में उड़ गए-



ss ! खचखर !
ये तो भूत हैं !

भूत नहीं...
मे...मेढक हैं !



अबे, 'जी हॉरर शो'
लि हंस-हंस कर देखता
है !

ये भी वैसा ही मेकअप
किरा हुए हैं। हमें डराने के
लिस। डर मत, पीट !

रवचर से 'तर्क ज्ञान' मिलते ही गुंडों का डर दूर हो गया।

आऊं! ये तो फिर वही पुरानी सिचुएशन आ गई। हम फिर से पिट रहे हैं, मास्टर!

ये कंप्यूटर का बच्चा कहां मर गया! उससे बगैर 'टोड्स रूकडान' सुने हममें जोश नहीं आसगा!



रसीले! कंप्यूटर को ढूँढ़ कर ला!

रसीला तो वैसे भी खिसकने का मौका ढूँढ़ ही रहा था।

पर उसने कंप्यूटर को ढूँढ़ने में ज्यादा समय नहीं लगाया—

अरे आप यहां हैं, वहां दिशम शुरू हो चुकी है गोली चूस के!



मैं बैठा कहां हूँ... मैं तो उड़ रहा हूँ... फुर्रर्रर्र!

अरे मेरे बाप! उड़कर ही सही, चलो तो!

ठीक है! चल...ओ हिच्च।

फाइटर टोड्स मुसीबत में थे—

उफ! ये कर कमबरवत नि ठीक लगता नहीं।



सर्कस में ६५ साल जोकर की तरह उछल-कूद की है पप्पू!

झन्झ

मगर मेरा निशाना एकदम सटीक होता है... देरव तू भी सीधा गोल में जाकर गिरेगा।

धड़.

अब तक रसीला कंप्यूटर को खींचकर, घटनास्थल तक ले आया था।

अबे, सब लड़... लड़ रहे हैं, और तू... रवां मोड़ा तमाड़ा देरव रहा है... हिचच!



ईयायाऊऊ।



टोड्स रुकडान बोल नशेड़ी, गोली चूसके।



..लेकिन रसीला धूल खाट गया।

अबे, रसीले! तू 'खड़ा' से 'पड़ा' कैसे हो गया? हिचच! तेरी चवन्नी गिर गई है क्या?

इसे मैं लहराते कंप्यूटर को तो दमाड़ा का घुंसा नहीं लगा...



ये ऐसे नहीं मानेगा। इसे गंगा स्नान करवाना पड़ेगा!

कंप्यूटर, जल्दी से आ जा! वरना तेरे पीछे कुत्ते छोड़ दूंगा।



तेरी तलवार की धार पर जंग लग गई है। कल नई तलवार लेकर आइयो। फिलहाल तो गाना गा।

हवा में उड़ता जा रहा जू
जू मेरा लाल दुपट्टा
मलमल का।



उधर रसीला टॉयलेट से रस्क बाल्टी पानी में
बर्फ डाल कर ले आया था—

उतर गयो रे नीचे
रे०० कंप्यूटर को
सारी नशीरे उतर...
उतर... उतर... उतर



तमी हवा में उड़ता कटरर,
फर्झ पर 'लैंड' कर गया—

अरे! तू तो कटरर है!
टुटपूजिस की तरह क्यों
पिटरहा है। किट किट
किट।

अरी मैया! किट किट किट! ये होटल
से मैं सीधा शिमला कैसे पहुंच गया?



तेरी वजह से, करोड़पतिस।
जल्दी से टोइस रस्कशन बोल-
कर जोड़ा दिला घर्ना वो हमारी
चटनी बना देंगे।

और तुम्हे कीड़े-
मकोड़े उसी चटनी
से लगाकर खाने
पहुँगे।

और फिर — टोइस रस्कशन!



और टोइस का सारा जोड़ा खोल उठा—

बेटे! अब भी मान जा!
देख ले! मैंने तुम्हे वार्निंग
दे दी है!



नहीं मानता है तोले !

आईया sss !

तूने ही कहा था न कि मेरी तलवार की धार पर जंग लगा गई है !



अब देख मकी धार !

उई मां ! कट गई बेल्ट ! उतर गई पैन्ट !

उफफ !



तड़क



तु कूधदेर यूं ही टंगा रह कैलेन्डर की तरह ! तारीख बताता रहियो !

कहर बरसा दिया था फाइटर टोड्स ने होटल में—



पत्तेखान ! कुछ कर जल्दी
वर्ना मेरा होटल कबाड़ी की
दुकान बन जाएगा, और मैं आवाज
लगाता फिरंगा... टिन... डब्बा
बो ss तलsss

अभी लो
खचर !



तभी वहां पुलिस का
सायरन गूंज उठा—

अरे बापरे
पुलिस !

पुलिस
यानी कानून...

कट्टर, शूटर,
मास्टर भागो !

अरे ! ये तो हमारी
टैक्सी है !

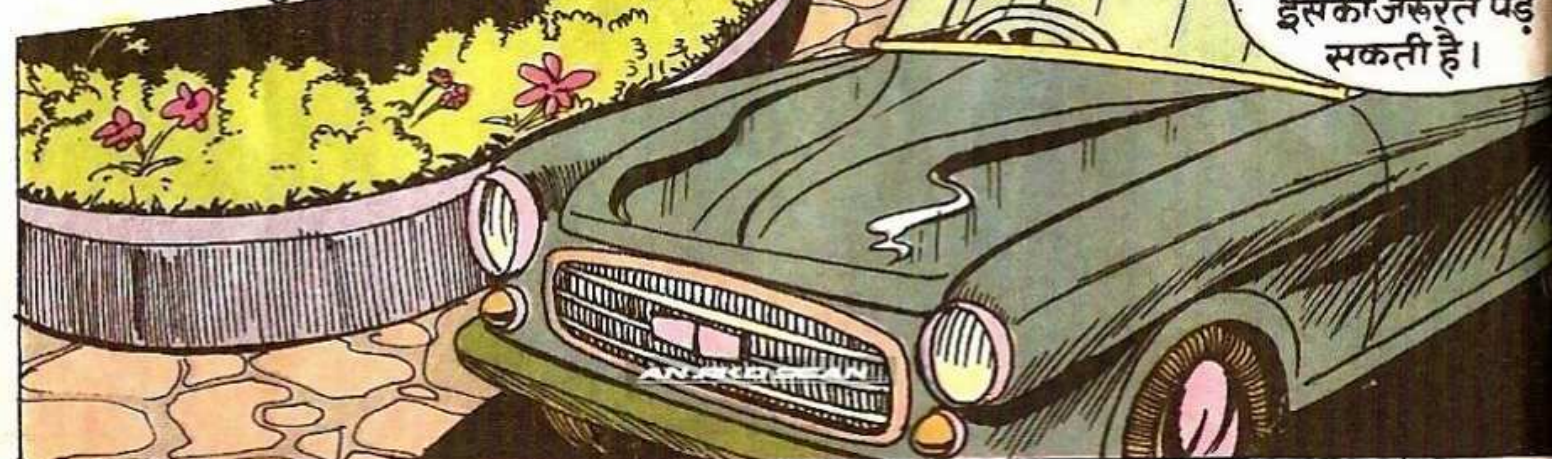


ही ही ही

ही ही ही



मैंने आया था
साहब ! हुंगाता इ
होते ही मैं समझ ग
इसकी जरूरत पड़
सकती है।



टोइस टैक्सी में बैठकर भागने को हुस ही थे -

प्लीज रोको !

क्या बात है ? तुम लोग क्या चाहते हो गोली चूस के ?

साहब, आपके दो सूटकेस कमरे में रह गए थे !

रोको ! रोकी !



ये हमें क्यों रोक रहे हैं ?

कहो, तो चढ़ा दूँ इन पर ?

नहीं, गाड़ी रोको रोको !

आपने हमें इतनी टिप दी है, भला हम नमक हारामी कैसे कर सकते हैं !

मर गए ! अब इन दो सूटकेसों की भी ठिकाने लगाना पड़ेगा !

सक करोड़ तो ठिकाने लगा चुके हैं ! अब बाकी बचे हैं एक करोड़ !



घबराओ मत ! उसका भी कीर्ई न कीर्ई आइडिया ...



आइडिया !



क्यों ना बाकी एक करोड़ रुपया हम रेस में हार जाएं ?

रेस ?

रेस !

हां, रेस ! रेस में घोड़ों पर रुपया लगाया जाता है। जो घोड़ा रेस जीत जाता है, उस पर रुपया लगाने वाले को दोगुना-तिगुना रुपया मिलता है और हारने वाले का माल गया। हम हारने वाले घोड़े पर रुपया लगा देंगे !

मगर... अगर हमारा घोड़ा जीत गया तो ?

रेसा नहीं होगा। हम समय से पहले चलकर अस्तबल में सबसे मरियल घोड़ा देखेंगे और सारा रुपया उसी पर लगा देंगे !

और फिर-

सु... सुनो... तुम यहीं काम करते हो?

हां! साब!

हम 'लोवा' नहीं, 'टोड' हैं, इसीलिए!

अपनी जुबान बीच में अड़ानी है क्या?



यहां का सबसे मरियल घोड़ा कौन सा है?

ए लो, साब! लोवा सबसे ताकतवर घोड़ा पूछने आते हैं। आप मरियल पूछ रहे हैं।

वैसे तेरह नंबर का घोड़ा सबसे मरियल है। हमेशा हारता है!

हमारा एक करोड़ रुपया तेरह नंबर के घोड़े पर।

क्यों भाई? दौलत लुटाने का शौक है क्या?

एक करोड़- वो भी मरियल घोड़ी पर-

खबर रेसकोर्स के मालिक फक्कड़ सेठ तक पहुंचते देर नहीं लगी-



क्या बात है फक्कड़ सेठ! एक करोड़ का नाम सुनते ही तुम्हारे सिर के चारों बाज खड़े हो गए।



शौक नहीं, सजबूरी!

न जाने क्यों मुझे लग रहा है आज तेरह नंबर का घोड़ा ही जीतेगा!

क्या बात करते हो फक्कड़ सेठ! तेरह नंबर का घोड़ा आज तक तो जीता नहीं!



फिर भी हमें सावधानी बरतनी चाहिए।

जाओ, उसे अफीम की गोली खिला दो... ताकि उसके जीतने की संभावना ही खत्म हो जाए!

परन्तु अफीम की गोलियां तो रक्त्त हो गई हैं... ये देखो सिर्फ ताकत की गोलियां रखी हैं वहां।

तो ठीक है। तेरह नम्बर के छोड़े की छोड़कर बाकियों को ये गोलियां खिला दो। ताकि सभी उससे आगे निकल जाएं।

उधर कबाड़ी अपने तीन करोड़ का घाटा पूरा करने के काम में लगा चुका था—



अगर कोई भी अपनी जगह से हिला तो भून दिया जाएगा!

हिल मत!

रू००० जल्दी से सारा कैश इस बैग में भर दे!



मैनेजर! स्ट्रॉगारुम की 'चाबी' लेकर मेरे साथ चल!



AN RKOSCAN

रेसकोर्स में रेस शुरू हो चुकी थी -

बक अप !
नंबर फाइव !

नंबर सेवन !
नंबर सेवन !

तुमने कितने
नम्बर पर
लगाया है ?

तेरह !



कम ऑन जैकी !



मगर वो तो कभी जीतता नहीं !

हमें मालूम है... इसीलिए उस पर पैसा लगाया है।

रेसकोर्स के एक कक्ष में -

फक्कड़ सेठ ! आज ताकत की दवा खिलाने से पहले रेस कैसे शुरू कर दी !

अरे, वो तो हम खिला चुके हैं प्यारे !

मगर ताकत की दवा तो खत्म हो चुकी थी... तुमने खिला कहाँ से दी ?

यहां से... ये देखो आज तेरह नंबर पर किसी ने रुक करोड़ लगाया है।



खिला चुके हैं ! मगर कैसे ?

तेरह नंबर के घोड़े को छोड़कर बाकी सभी को...



तेरह नंबर घोड़े को हाराने के लिए हमने बाकी सभी को ताकत की गोलियां खिला दीं। अब तेरह नंबर हारेगा और रुक करोड़ अपना होगा !

ये क्या किया फक्कड़ सेठ ! इसमें ताकत की नहीं अफीम की गोलियां हैं। ताकत की तो मैं अभी बाजार से लाया हूँ।

परन्तु ये शीशी ?



अरे अफीम की शीशी टूट गई थी। और ये शीशी खाली हो गई थी। इसीलिए मैंने अफीम की गोलियां इसी में भर दीं।



तो खड़ा-खड़ा बतलें क्या
र रहा है। भागतेरह नंबर
गोड़े की रोक... अगर वो
गया तो हम सब रुक
जायेंगे।

हमारे भांडे बिक
जायेंगे। हमारे कपड़े
बीलाम हो जायेंगे!

उधर तेरह नम्बर का घोड़ा रेस जीत चुका था—



हांक... ये तेरह नंबर का मरियल
घोड़ा कैसे जीत गया?

गर रेस तो शुरू
चुकी है फक्कड़
सेठ!

आ ! अक्का !
हार गया ! मेरे
रुपस घुस गए !

क्यों भइया...
रेस खत्म हो
गई क्या ?

हुर्रे... हम
हार गए !

पीछा छूट
गया !

और साथ में मैं
खत्म हो गया !

ताक धिना
धिनि !

AN IRON DEAN

जाचते गाते खुशी से भूमते ज्योंही वो टैक्सी के पास पहुंचे—

अरे रसीले ! ये क्या है ?

तीन करोड़ रुपया !

हां ! क्योंकि आते रह नंबर का घो- जीत गया । एक करोड़ लगाकर तीन करोड़ मिला है ।



एक करोड़ रुपया । बाकी दो करोड़ अन्दर रखा है । कुल मिलाकर हुआ तीन करोड़ !



ये तो वही बात हुई नौ दिन चले अर्दाई कोस—

कंप्यूटर ... ये तो गड़बड़ हो गई !

एक तरीका और भी है । मगर उसमें खतरा है । कही तो बताऊं ?

रसीले... अपनी चोंच बन्द रखव... वर्ना उठाकर वाहन से बाहर फेंक दूंगा । तेरी ही वजह से दो से छः सूटकेस हो गए हैं ।



हां... हम जहां से चले थे वापस उससे भी पीछे चले गए ।

चार के स्थान पर अब छः सूटकेस हो गए !



चार से दो सूटकेस भी इसी की वजह से हुए थे । कम से कम बात तो सुन लो । तू बोल रसीले !

आजकल बैंक वाले डिपॉजिट पाकर खुश होते हैं । अगर हम इन्हें तीन करोड़ का डिपॉजिट दें तो वो पूछेंगे भी नहीं कि ये रुपया कहां से आया ।

बैंक तो हम जानते हैं, चार । पर ये डिपॉजिट क्या होता है ?

सुनो, मैं समझाता हूं । एक सेकेण्ड में समझ में आ जाएगा गोली चूस के !

तो समझाओ गोली चूस के



रीले की तरकीब सभी को पसन्द है। और वो सीधे पहुंचे कंगाल-क-

ये बैंक के पिछवाड़े का रास्ता है। मैं यहीं टैक्सी में तुम्हारा इन्तज़ार करता हूँ। कोई गड़बड़ हुई तो तैयार रहूँगा!

परन्तु उन्हें क्या पता था कि वो बैंक के अन्दर नई मुसीबत में फँसने जा रहे हैं।

कुछ भी कहो, मास्टर! रसीला तरकीब चुनकर लाता है!

सचमुच बहुत बुद्धिमान है वो!

भागने की कोशिश मत करियो रसीले वना ०००

धर पीछे से टोटो इस अन्दर घुसे धर कबाड़ी गैंग ००० केती डालकर बाहर निकला-

वाह! मैंने तो सपने में भी नहीं सोचा था कि घाटा इतनी जल्दी पूरा हो जायगा!

इस बीच बैंक के एक वफादार कर्मचारी ने चुपचाप अलार्म का बटन दबा दिया जिसका सम्पर्क पास के पुलिस स्टेशन से था—



पुलिस स्टेशन बैंक से अधिक दूर नहीं था—



०० ध्यान ध्यान ००

हमारी वैन का टायर फट गया कवाड़ी-!

अबे, पैर तो सलामत है। भाग चल पतली गली से।

उधर रसीला—

वो रही रुक टैक्सी! उसी में भाग निकल!



फटाक

आंच! ये टोड तो आगे के रास्ते से भागकर आ रहे हैं। लेकिन ये चार फुटे रुका रुक छः फुटे कैसे हो गए?

जल्दी आओ! मैं तुम्हारा ही इंतजाम कर रहा था!

उनके टैक्सी में बैठते ही रसीला तूफानी गति से टैक्सी ले उड़ा—

ओह... वो तो भाग निकले, चलो बैंक में देखें क्या हाल है...०००

उधर बैंक के अन्दर—



... वहीं से कंट्रोल रूम को भी खबर कर देंगे।

बैंक के लुटे पैसे को ही फिक्सड डिपॉजिट में रख लूं, मैं इतना बेवकूफ नहीं हूँ।

फिर कितने हो जी



अबे, ज्यादा बकवास मत कर। मैंने बाहर गोलियों की आवाज सुनी है। जल्दी निकल चलो यहां से!



चार, दो मिनट में इनका कद छः फुट से चार फुट कैसे हो गया ?

यही तो मैं भी सोच रहा हूँ। कहीं सूटकेस के वजन से तो नहीं !



तभी वहां पुलिसने धड़धड़ते हुए प्रवेश किया—

अयं! डकैत तो हमारे सामने टैक्सी में भागे हैं फिर से ये ?

धाँध

सर, हो सकता है डकैत चार से ज्यादा हों।



मास्टर... कानून यहां भी भा पहुंचा !

शूटर... कर्टर... भागो !

परन्तु ज्योंही वो बाहर आरू—

कंप्यूटर, रसीला तो यहां नहीं है।

लगता है हमें धोरवा देकर भागा गया !



पारों भागकर बैंक के सामने पहुंचे—



मास्टर... कानून का वाहन खड़ा है। क्यों ना वूकें- वूकें करते इसी में भाग लें।

उधर रसीले की टैक्सी में -

हा हा हा... कल के अरबबारों की हड़ताल होगी कंगाल बैंक में तीन करोड़ की हकैती। हकैती को पकड़ने में पुलिस नाकाम-याब!

कवाड़ी का नाम सुनते ही रसीले के देवता कूच कर गए।

ओह! ये तो मजा! रविवार कवाड़ी है हे भगवान ये क्या हो रहा है?



और ये कोई नहीं जान पाएगा कि ये काम कवाड़ी का है।



उन चार भूतों के बीच से निकाल कर तुने मुझे इन चार प्रेतों के बीच डाल दिया गोली चूस के।

सोच क्या रहा रसीले! जल्दी कोई तरकीब लड़ा इनसे पीछा छुड़ाने की!

सा...साब! टैक्सी में पेट्रोल खत्म होने वाला है। कहीं तो भरवा लूं?

हमें यहीं छोड़ दे! हम दूसरी टैक्सी ले लेंगे।



उधर टोडूस-

ये तूहमें कहां भगवान लिए जा रहा है, कंप्यूटर



उन्हें वहीं छोड़कर रसीलायुं भागा मालो उसके पीछे सचमुच भूतलगे हों-

मुझे भी नहीं मालूम! मैं तो किसी खुले गटर की तलाश में हूँ, ताकि वाहन रोकते ही हम उसमें कूद पड़ें।

तभी-

मिल गया!

अबे गटर नहीं, रसीला मिल गया। उसे भी तो सबक सिरवाना है।



ईयाया याऊ!

अबे, सत्यानाश हो तेरा कंप्यूटर खुला गटर मिलने की सेसां भी क्या खुशी कि दिन में ही तारे दिरवा दिस।



मारा गया रसीला ये तो फिर गोली चूस के! टकरा गए!

ही टैक्सी रोककर
ला बाहर आया—

घोखेबाज!

मैं पिटने को तैयार हूँ भैया...
मगर ये तो बता दो मेरे दांत
तोड़कर मुझे जवानी में ही
बुड़्ढा करने पर क्यों तुले हो
गोली चूस के!

तुहमें बैंकमें
फंसाकर भागा
क्यों था?

ताड़

अड़ियाsss! अरे
सारे सारे के सारे
क ही भयापहू में!

गिला, एक ही सारा में कबाड़ी
सारी बातें बताता चला गया—

तोतूने ये
बात पहले क्यों
नहीं बताई?

और टोड़स ज्योंही
कबाड़ी के अड़्डे पर पहुंचे—

बेलकड-बेलकडा...
हंडूटा-कडूटा सण्ड
पार्टी का कबाड़ी
स्वागत करता है।

तुमने बताने का
का ही कडां दिया। किल्लते
मे घुस कराने दुरा कर
गोली चूस के!

अरे! मैं तो तुम्हें
काकून के द्वारा कराने आया था,
परतु ~~तुम्हें~~ तुम्हें
मेरा दिल गार्डन-गार्डन कर दिया।

उम्फ! ये बूटर् तो फिर
गड़बड़ करने लगा!



अगर तुम इतने ही रबुडा हो हट्टे-कट्टे तो मेरे तीन करोड़ वापस कर दी।

वो तो हम कानून से बचने के लिए बैंक में ही छोड़ आर।

कानून ! अरे हां याद आया... हम तो तुम्हें कानून के हवाले करने आर हैं।

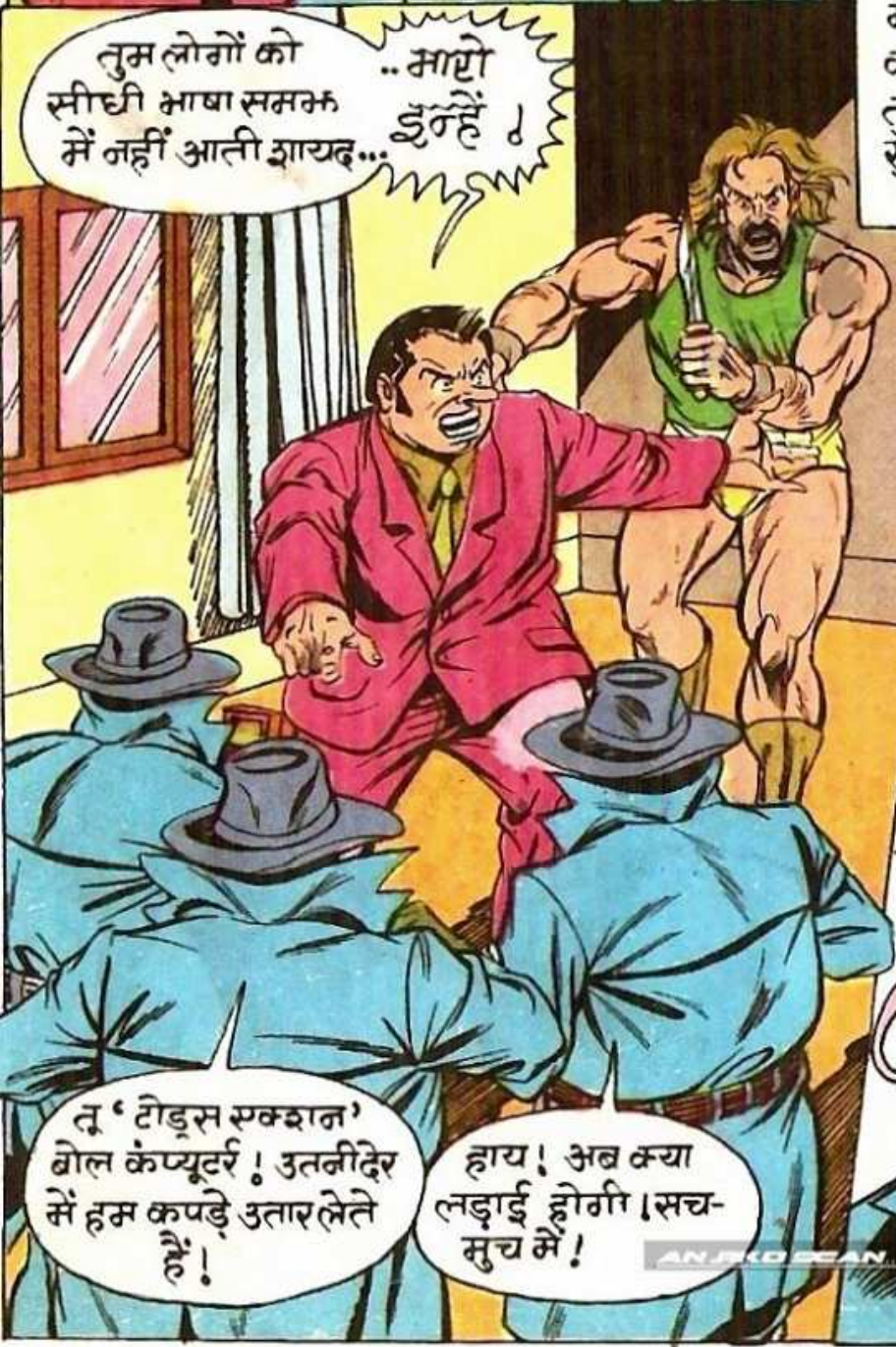


टोड्स रक्कशन !

चुप कर शूटर ! 'टोड्स रक्कशन' तू नहीं कंप्यूटर बोलिगा !

बहुत हो गया मजाक ! अब मेरे तीन करोड़ वापस करो वरना तुम्हारी हड्डियों का सुरमा बनाकर आंखों में डाल लुंगा।

अंधा हो जासगा, कबाड़ी !



तुम लोगों को सीधी भाषा समझ में नहीं आती शायद... .. माए डूँहें !

तू 'टोड्स रक्कशन' बोल कंप्यूटर ! उतनीदिर में हम कपड़े उतार लेते हैं !

हाय ! अब क्या लड़ाई होगी ! सच-सच में !



टोड्स रक्कशन !

क... कबाड़ी ! य... ह... ह... हमको इनसे ये क्या है ? लड़ना पड़ेगा क्या ?

लड़ना ही पड़ेगा ! अगर हम मान भी जाएं तो भी ये नहीं मानेंगे !

गु... गुंडो पीटो !



स फिर क्या था ! दोनों तरफ से युद्ध की घोषणा होते ही, मिनी महाभारत शुरू हो गई !

भट्ट

कटाक



अबे, आगे कहां पीछे दा आ रहा है ? हट !

अरे, भाई मारने से पहले चेतावनी दे दिया कर !

भड़क



अब तू आंघी डंडी लेकर या लड़ेगा ? जा दूसरी लेकर आ !

इयापा ॥

आओ! तुम लोग
फिल्मी गूंडे लग रहे
हो!

इसी लिए तुम्हारी पिटाई
भी फिल्मी स्टाइल में
करनी पड़ेगी।

तेरे आदमी पिट
रहे हैं कबाड़ी!

जाकर उनकी बचाता
क्यों नहीं, नालायक



बहुत... मैं बॉस
इस सबका!

और बॉस लड़ता नहीं
लड़वाता है। बहूहूहू



लेकिन तेरी फिल्म और हम जानते हैं कि
नी रयल्टी ही गार्ड है। आखिरी सीन में गूंडे
कबाड़ी! जमाकर पिटते हैं।



कुछ ही मिनटों में खेल खत्म हो गया —



अब सिर्फ कबाड़ी बचा है। उसे कौन संभालेगा?



जहीं, जहीं! मुझे मत मारना!

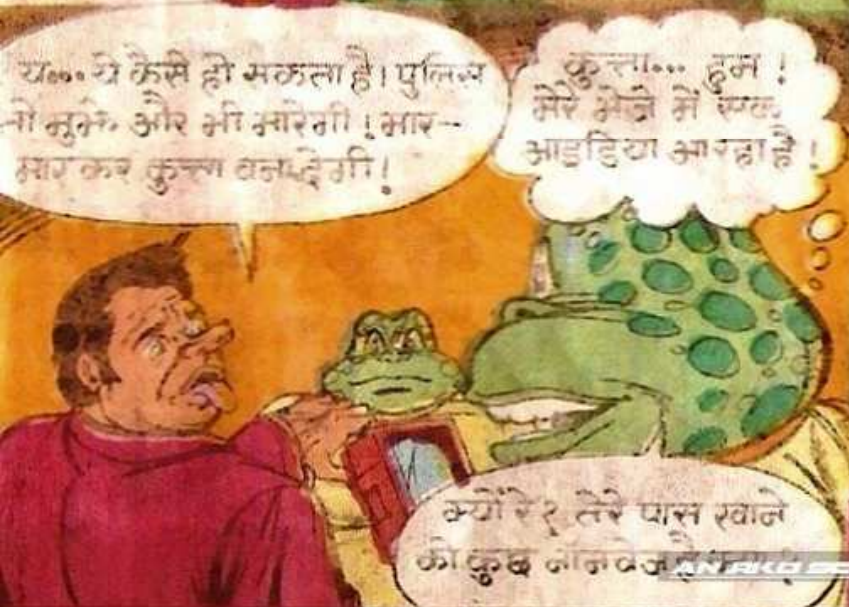
क्यों जहीं मारना?

मु... मुझे चोट लगा जा सकती है!



अगर तुम हमारा काम खुद कर दो तो हम तुमको हाथ नहीं लगायेंगे।

पुलिसजी को जाकर बता आओ कि कंगाल बैंक को तुमने कंगाला किया है, हमने नहीं।



ये... ये कैसे हो सकता है। पुलिस ने मुझे और भी मारेगी! मार-मार कर कुत्तों बना देगी!

कुत्ता... हुन! मेरे भोजी में एक आइडिया आ रहा है!

क्यों रे? तेरे पास खाने की कुछ चीजें नहीं हैं?



हम मुर्गे का लेंच कर चुके हैं। सिर्फ हाडियां बची हैं।

ठीक है। चलेंगी! जा, हाडियां लेकर आ।

ये कंप्यूटर, बिना हड्डियों वाले कीट-पतंगे छोड़कर हड्डियां कब से खाने लगा ? -

ये लो हड्डियां ! और मुझे साफ कर दो।

हांई ! ये कंप्यूटर को आज क्या हो गया है ! कमीज फाड़कर उन पट्टियों में हड्डियां बांध रहा है !



अपना कीट और कमीज उतार के दे !

अरे ! अरे ! ये क्या कर रहे हो मालिक ! मेरी पैट में हड्डियां क्यों बांध रहे हो ?

अभी समझ जाएगा, कबाड़ी ! अभी समझ जाएगा !

बाहर निकलते ही 'हड्डी' के प्रेमियों की ताक ने खुदाबू सूंघली !



अब बाहर चल !



आतूतूतू !

और फिर— अरे मां ! मेरे बाप ! बचा ले ! बचाओ !



भौं भौं वाऊ वाऊ

इनसे तुम्हें सिर्फ पुलिसजी बचा सकते हैं, कबाड़ी ! भाग ले उनके घर !

कबाड़ी ने कंप्यूटर की स्लाह गानने में ही भलाई समझी!

अबे! अबे! कुत्तों के साथ कहाँ घुसता आ रहा है?

सीधा लॉकअपमें जाकर रुका—

मैं बड़ा पापी हूँ, भइया! मुझे तुरंत बन्द कर दो। मैं कुबूल करता हूँ कि 'कंगाल बैंक' को मैंने लूटा था। वो मेढक बेगुनाह है।



धीरे-धीरे बोल, कबाड़ी! धीरे-धीरे बोल! सिचुएशन समझने दे!

लेकिन कबाड़ी, हवलदार की बात अनसुनी करता हुआ

कबाड़ी!

स्वच्छर! तू यहाँ पर कैसे?



यार, चार मेढक मेरे पीछे पड गस हैं। उनसे बचने के लिस मैं यहाँ पर अपने आप आ गया।

वहाँ पर तो सपने में भी मेढक दिरवाई पड़ते थे।

यार, कमाल है। इतने बडे दो स्मगलरों को कुत्ते और मेढक पकड़ लास!

दुआ कर कि ऊपर वाला हमें अगले जन्म में कुत्ता बनास!



लेकिन ये हुआ कैसे?

रवबर तो फैलने लगी थी —

बधाई हो! सरकारने उन दोनों स्मगलरों को पकड़ने वालोंको स्क लारव रुपया इनाम देने की घोषणा की है!

नहीं sss! हम लोगों को मुद्रारं नहीं चाहिस!

रसीले, प्लीज यार! तू जाकर इनाम ले ले!



घोषणा
कबाड़ी और स्वच्छर तस्करी की पकड़वाने वाले को एक लाख रुपया का इनाम मिलेगा।
तुरन्त समझें!



स्क लारव रुपया?



रुक ००० लाख ००० रुपया!



घार, ये इसमें बड़ी गन्दी आदत है। पैसों का नाम सुनते ही बेहोश हो जाता है!

अब तो जैसे यानि मुद्रा के नाम से मुझे भी गाड़ा आने लगा है!

अरे! अरे! तुम यहाँ पर!



अरे, मैं! मैं तुमसे अप्पु घर में किना चीज? मैंने तुमको अपना कार्ड दिया था? तुम लोकरे के लिए आरु क्यों नहीं?

ओ! पहरान गया! लेकिन लोकरे से क्या होगा?

केवल मिलेगा, तुम्हारा पैसा, खूब पैसा मिलेगा।



पैसा! यहाँ भी पैसा?

भाग ले, टोप दब के!



हमको पैसा नहीं चाहिए!

मुद्रा अपने पास ही रख लो कार्ड वाले भद्रमान!

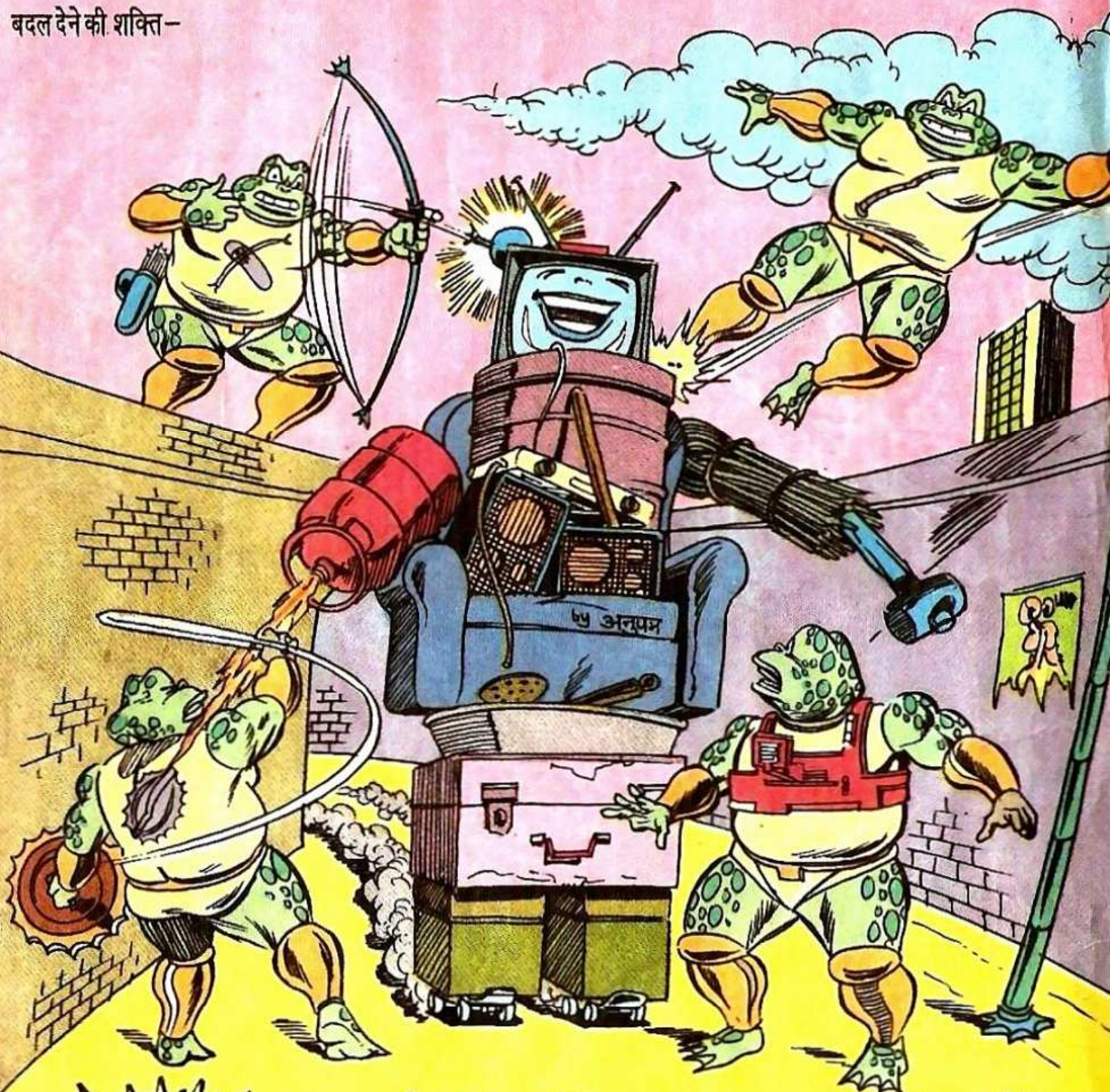
तो यूं दुनाम का पैसा रसीले के हवाले करके हमारे प्यारे टोप, फसले गटर से कपल टोप निवास आ पावेंगे! अब हमको भी आसना करने दो, और अब भी आसना करे, चरके चरके।

akfunworld's
universe of
comics....



www.akfunworld.co.nr

कंप्यूटर ने एक कबाड़ के कंप्यूटर को, अपने 'स्वर्णनगरी' की तकनीक से बने कंप्यूटर से चेक करना चाहा, और यही बन गई उनके लिए मुसीबत की जड़। खड़ा हो गया इस जड़ से मुसीबत का एक पूरा पेड़...कंडम। जिसमें थी एक अद्भुत शक्ति। नई से नई चीजों को भी छूते ही 'कबाड़' में बदल देने की शक्ति—



...और 'कंडम' निकल चुका था महानगर को बना देने...

कबाड़ नगर

मूल्य: 15/-

फाइटर टोड्स का एक और एटमी धमाका।

प्रकाशन तिथि : 2 मई,

राज कॉमिक्स में

नागराज के अब तक के प्रकाशित कॉमिक्स

नागराज
 नागराज की कब्र
 नागराज का बदला
 हांगकांग की यात्रा
 नागराज और शांगो
 खूनी खोज □ खूनी यात्रा
 नागराज का इंसाफ
 खूनी जंग
 प्रलयकारी नागराज
 खूनी कबीला
 कोबरा घाटी
 बच्चों के दुश्मन
 प्रलयकारी मणि
 शंकर शहंशाह
 नागराज का दुश्मन
 इच्छाघारी नागराज
 नागराज कालदूत
 जादूगर शंकूरा
 नागराज और बौना शैतान
 ताजमहल की चोरी
 नागराज और लाल मौत
 काबुकी का खजाना
 नागराज और थोडांगा
 नागराज तूफान-जू
 जादू का शहंशाह
 अजगर का तूफान
 बकोरा का जादू
 पिरामिडों की रानी
 नागराज और मिस्टर 420
 नागराज और सुपर कमांडो ध्रुव
 नागराज और नगीना
 नगीना का जाल
 नागराज और बुगाकू
 फिर आया नागदंत
 नागराज और वेमवेम विगेत्तो
 नागराज और तूतेनतू



- नागराज और मिस किलर
- अदृश्य हत्यारा
- नागराज और कांजा
- नागराज और पापराज

सुपर कमांडो ध्रुव के अब तक प्रकाशित कॉमिक्स

- प्रतिशोध की ज्वाला
- रोमन हत्यारा
- आदमखोरों का स्वर्ग
- स्वर्ग की तबाही
- मौत का ओलम्पिक
- समुद्र का शैतान
- बर्फ की चिता
- लहू के प्यासे
- रूहों का शिकंजा
- महामानव
- वू-डू
- मुझे मौत चाहिए
- बहरी मौत
- उड़नतश्तरी के बंधक
- एक दिन की मौत
- ब्लैक कैट
- सामरी की ज्वाला
- विनाश के वृक्ष
- चैम्पियन किलर
- आखिरी दांव
- डाक्टर वायरस
- आत्मा के चोर
- वेम्पायर
- सुप्रीमा
- वीडियो विलेन
- पागल कातिलों की टोली
- ग्रेण्ड मास्टर रोबो
- आवाज की तबाही
- किरीगी का कहर
- खूनी खिलौने
- चुम्बा का चक्रव्यूह
- मैंने मारा ध्रुव को
- दलदल
- उड़ती मौत

